मंगलवार
08 अगस्त 2023

पृष्ठ 4

दिन भर आती है उबासी तो ये थकान नहीं, इन बीमारियों का है संकेत!

पृष्ठ 5

जैकलीन फर्नांडिस ने स्टाइलिश चोटी में ढाया कहर

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 182
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सर्वसाधारण जनता की उपेक्षा एक बड़ा राष्ट्रीय अपराध है।
– स्वामी विवेकानंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आसमानी आफत का कहर जारी, तीन मंजिला होटल धराशाही

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में आसमानी आफत का कहर जारी है मौसम विभाग द्वारा बीते कल राज्य के 8 जिलों में भारी बारिश की जो चेतावनी दी गई थी वह सच साबित हुई है। बीती रात से राजधानी देहरादून सहित राज्य के तमाम जिलों में बारिश से भारी नुकसान हुआ है। रूद्रप्रयाग के रामपुर में एक तीन मंजिला होटल देखते ही देखते धराशाई हो गया वहीं भारी बारिश के कारण उत्तरकाशी में डाबरकोट के पास भारी भूस्खलन के कारण यमुनोत्री हाईवे बंद होने से राजमार्ग पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई है। रूद्रप्रयाग के देवीधुरा में भी भारी बारिश से भूस्खलन की खबरें हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में बीती रात से हो रही भारी बारिश के कारण बड़ा नुकसान हुआ है गनीमत यह है कि इस दौरान बहुत अधिक जनहानि की कहीं से कोई खबर नहीं है लेकिन इस बारिश के कारण संपत्ति को बड़ा नुकसान पहुंचा है तथा लोगों को आवागमन में दिक्कतें जरूर हो रही है। रुद्रप्रयाग के रामपुर में एक होटल धरा शाही हो गया गनीमत यह रही कि इसे पहले ही खाली करा लिया गया था जिसके कारण किसी की जान नहीं गई। उत्तरकाशी में भी भारी भूस्खलन से मार्ग बंद हो गया और यात्री फंसे हुए हैं लेकिन मलबे की चपेट में कोई नहीं आया। चमोली में भी भूस्खलन के कारण बद्रीनाथ मार्ग बाधित हुआ तथा पेगांनो गांव के 40 परिवार खतरे की जद में आ गए। उधर हल्द्वानी में एक ऑटो रिक्शा चालक के बहाने की खबर है भूस्खलन के कारण नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग भी बंद हो गया है। उधर बीती रात राजधानी दून में भी कई क्षेत्रों में भारी बारिश के

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

❑भूस्खलन से यमुनोत्री हाइवे बंद, वाहनों की लगी लंबी कतारें

केंद्रीय टीम पहुंची हरिद्वार

हरिद्वार। राज्य में मानसूनी आपदा से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए केंद्रीय दल हरिद्वार पहुंच गया है जहां अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्होंने स्थिति की जानकारी ली। यह दल हरिद्वार के तमाम उन प्रभावित क्षेत्रों में जाएगा जहां बाढ़ और जलभराव के कारण फसलों और मकानों को नुकसान हुआ है। तीन दिवसीय दौरे के बाद यह टीम केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट देगी।

सावधान: आर्टिफिसेल इन्टेलिजेन्सी में आपके साथ भी हो सकती है बड़ी धोखाधड़ी!

संवाददाता

देहरादून। सावधान: आर्टिफिसेल इन्टेलिजेन्सी में आपके साथ भी हो सकती है बड़ी धोखाधड़ी। आपके किसी पारिवारिक सदस्य की आवाज में भी बोल सकता है काल करने वाला। ऐसा ही एक मामला बंसत विहार क्षेत्र में सामने आया है। यहां बैंकाक में बेटे द्वारा एक्सीडेंट कर किसी को घायल करने का झांसा देकर वृद्ध से लाखों रूपये की ठगी कर ली गयी। पीड़ित की शिकायत पर साईबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार निवासी रूद्रमणि वासन ने साईबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उनका बेटा बैंकाक में नौकरी करता है। गत दिवस (सात अगस्त को) उनके पास एक कॉल आयी और कॉल करने वाले ने उसको बताया कि उनके बेटे ने कार से एक्सीडेंट कर दिया है तथा जिस व्यक्ति को टक्कर मारी है उसके दोनों पैर कट गये हैं। जिसके बाद उनसे 25 लाख रूपये की मांग की गयी। इस दौरान फोन करने वाले ने उनके बेटे से

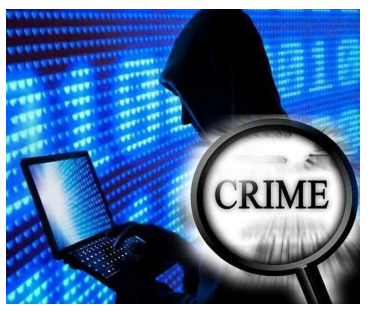

भी बात करायी। उनके बेटे ने भी उनसे कहा कि जैसे वह कहते हैं वैसा करों।

यहां पर यह उल्लेखनीय है कि यह आवाज उनके बेटे की न होकर आर्टिफिशेल इंटेलीजेंस द्वारा बनायी गयी आवाज थी जिसको वह नहीं पहचान सके। जिसके बाद रूद्रमणि वासन बैंक पहुंचे और उन्होंने बैंक से पहले पांच लाख रूपये निकाले उसके बाद दो बार डेढ-डेढ लाख रूपये निकाले। उनको परेशान देख बैंक मैनेजर को कुछ शक हुआ और उन्होंने किसी अन्य माध्यम से रूद्रमणि वासन के बेटे को बैंकाक में फोन मिलाया तो उनके बेटे ने कहा कि वह अपने आफिस में है उसका कोई एक्सीडेंट नहीं हुआ है और न ही उन्होंने

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

उन्हें बेटे को सेट करना है और दामाद को भेंट करना है: निशिकांत दुबे

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को भाजपा नेता निशिकांत दुबे ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मैं सोनिया जी का बहुत सम्मान करता हूं। उनके सिर्फ दो ही लक्ष्य हैं। पहला-बेटे को सेट करना है और दामाद को भेंट करना है। मैं अपनी इस बात पर कायम हूं। दुबे के इस बयान के बाद कांग्रेस के सांसदों ने ऐतराज भी जताया। वहीं, सोनिया गांधी मुस्कुराती नजर आईं। इस दौरान राहुल गांधी भी लोकसभा में मौजूद थे। उन्होंने गांधी परिवार पर निशाना तो साधा ही इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप गरीब के बेटे के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए हो इसका जवाब जनता 2024 में 400 सीटें बीजेपी को लाकर देगी। दुबे ने कांग्रेस को उनके नार्थ ईस्ट पर शासन के दौरान का इतिहास याद दिलाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस को मणिपुर पर ज्ञान देने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। मेरे मामा एनके तिवारी मणिपुर में अपना एक पैर गंवा चुके हैं। वह सीआरपीएफ के डीआईजी हुआ करते थे। जब वही मणिपुर में आईजी बनकर गये तो कांग्रेस की ही सरकार ने उनको गिरफ्तार कर लिया।

टीएमसी सांसद डेरेक ओश्ब्रायन मानूसन सत्र की शेष अवधि के लिए राज्यसभा से निलंबित

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओश्ब्रायन को मंगलवार को राज्यसभा से मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। टीएमसी नेता पर अशोभनीय आचरण को लेकर यह कार्रवाई की गई।

सदन के नेता पीयूष गोयल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसे सदन ने ध्वनि मत से पारित कर दिया। व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए ओश्ब्रायन ने नियम 267 के तहत मणिपुर हिंसा पर चर्चा शुरु किए जाने की मांग की। सभापति जगदीप धनखड़ ने ओश्ब्रायन द्वारा ऊंची आवाज में अपनी बात रखने पर आपत्ति जताई और उन्हें अपनी सीट पर बैठने को कहा। धनखड़ ने इसके

बाद कहा कि वह ओश्ब्रायन का नाम लेते है। उन्होंने सदन के नेता गोयल से इस संबंध में प्रस्ताव पेश करने को कहा।

गौरतलब है कि सभापति द्वारा जब किसी सदस्य का नाम लिया जाता है तो इसके साथ ही उसके निलंबन की कार्रवाई शुरु हो जाती है। गोयल ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि ओश्ब्रायन लगातार सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहे हैं और आसन की अवमानना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रस्ताव किया जाता है कि डेरेक ओश्ब्रायन को अशोभनीय आचरण के लिए सदन की सेवाओं से सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए। गोयल के प्रस्ताव पेश करने के बाद धनखड ने ओश्ब्रायन के निलंबन की घोषणा की। उन्होंने उन्हें सदन से बाहर जाने का भी निर्देश दिया। इस बीच निलंबन आदेश के बाद भारी हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। ओश्ब्रायन का निलंबन ध नखड़ और तृणमूल कांग्रेस सांसद के बीच संसद के उच्च सदन में तीखी बहस के बाद हुआ है।

दून वैली मेल

संपादकीय

अबकी बार टमाटर तीन सौ पार

पिछले लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने अबकी बार 300 पार के नारे को बड़े जोर शोर से उछाला था और देश की जनता ने भी उसकी झोली में 303 सीटें डालकर उसकी मुराद पूरी कर दी, आज बढ़ती महंगाई जो अब भाजपा के लिए चुनावी मुद्दा तो क्या चर्चा का विषय भी नहीं रह गई उसके नेता अब मीडिया को ज्ञान दे रहे हैं कि उसे महंगाई और टमाटर की बढ़ती कीमतों पर इतना फोकस नहीं करना चाहिए। यूपी के इन मंत्री महोदय को शायद सत्ता में आने के बाद न महंगाई की समस्या से कोई सरोकार रह गया है न ही उस गरीब जनता से जिसे नून, तेल लकड़ी के लिए पापड़ बेलने पड़ते हैं। टमाटर अब इतना महंगा हो गया कि आम आदमी ने उसे खरीदना को दूर उसके भाव भी पूछना बंद कर दिया लेकिन सवाल यह है कि आम आदमी क्या-क्या खाना छोड़ दे आज बाजार में मटर के दाम 200 के पार है तो शिमला मिर्च के दाम 160 रूपयं किलो है। आलू-प्याज 30 रूपये किलो है तो लौकी, तोरई साठ-सत्तर रुपए किलो। स्थिति यह है कि जब लहसुन 280 रूपये है तो अदरक 260 रूपये किलो मिल रहा है। हरी मिर्च की चटनी खाना भी लोगों के लिए दुर्लभ हो गया। अब चौक चौराहों पर लोग इस बात की चर्चा करते दिख रहे हैं कि अबकी बार टमाटर 300 के पार। बीते कल उत्तर प्रदेश की विधानसभा में सपा के विधायक टमाटर और हरी मिर्च की मालाए पहनकर सदन में पहुंचे और बढ़ती महंगाई का मुद्दा उठाया यहां तक तो बात सभी की समझ में आई लेकिन हद तो तब हो गई जब एक सपा नेता टमाटर की टोकरी लाकर में रखने के लिए बैंक पहुंच गया। टमाटर की महंगाई की बात यहीं समाप्त नहीं होती है। यूपी की एक मंडी से चोर कई दुकानों से 50 किलो टमाटर और अदरक चोरी करके ले गए और दरोगा जी अब सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर चोरों को पकड़ने की बात कह रहे हैं। अवमानना केस में राहुल गांधी को सजा पर रोक का समाचार आया तो कई शहरों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिठाई की जगह चौक चौराहों पर लोगों को एक-एक टमाटर बांट कर सत्ता में बैठे लोगों का ध्यान खीचनें की कोशिश की और तो और कश्मीर के लोगों को अब सेव से भी मुनाफे का सौदा टमाटर नजर आ रहा है और उन्होंने टमाटर की फसल तैयार करना शुरू कर दिया है। बात टमाटर की महंगाई की नहीं है बात देश के नेताओं की उस सोच की है जब सत्ता से बाहर होते हैं तब उनके द्वारा जनता की एक-एक समस्या को गिनाया जाता है और जब सत्ता में आ जाते हैं तो उनके लिए जनता की कोई समस्या समस्या ही नहीं रहती है। 2014 के आम चुनाव में भाजपा नेताओं ने देश की गरीब जनता को अमीर बनाने और उनके अच्छे दिन लाने का भरोसा दिलाया था आज इस देश की जनता सस्ता टमाटर (130 रुपए प्रति किलो) खरीदने के लिए लाइनों में खड़ी है। टमाटर को लेकर लोगों में खूनी संघर्ष हो रहा है। टमाटर की मेटाडोर पलटी तो लूट मच गई और पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। सवाल यह है कि अबकी बार भाजपा के नेताओं द्वारा नारा दिया जा रहा है कि अब की बार 350 पार तो लोग चुटकी ले रहे हैं कि अगर 350 के पार हुआ तो फिर आम आदमी आर पार ही हो जाएगा।

सीएम धामी ने 14 महिलाओं को राज्य स्त्री शक्ति तीलू रौतेली पुरस्कार व 35 महिलाओं को आंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरस्कार दिये

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को आई.आर.डी.टी सभागार सर्वे चौक में आयोजित कार्यक्रम में राज्य स्त्री शक्ति तीलू रौतेली पुरस्कार एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरस्कार 2022-23 प्रदान किये। इस वर्ष 14 महिलाओं को राज्य स्त्री शक्ति तीलू रौतेली पुरस्कार एवं 35 महिलाओं को आंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को 51-51 हजार रूपये की धनराशि उनके खाते में डिजिटल हस्तांतरित की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाली मातृशक्ति को सम्मानित कर वे स्वयं गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीरांगना तीलू रौतेली ने 15 वर्ष की उम्र में युद्ध भूमि में अपने रण कौशल द्वारा अपने विरोधियों को परास्त किया था। अपूर्व शौर्य, संकल्प और साहस की धनी वीरांगना तीलू रौतेली को उत्तराखंड की झांसी की रानी कहकर याद किया जाय तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने 15 से 22 वर्ष की आयु के मध्य सात युद्ध लड़े और अपनी वीरता और रण कौशल का परिचय दिया। राज्य सरकार ने तीलू रौतेली पुरुस्कार की धनराशि 31 हजार रुपए से बढ़ाकर 51 हजार रुपए की है, जबकि आंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरुस्कार की धनराशि भी 21 हजार से बढ़ाकर 51 हजार रुपए की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति मजबूत करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। माता-पिता के बाद बच्चों को संस्कार देने की शुरुआत आंगनबाड़ी केंद्रों से ही होती है। राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी बहनों का मानदेय 7500 रुपए से बढ़ाकर 9300 रुपए किया है। मिनी आंगनबाड़ी बहनों के मानदेय को भी 4500 से बढ़ाकर 6250 और सहायिकाओं का मानदेय 3550 से 5250 रुपए किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के विकास के लिए हर क्षेत्र में मातृ शक्ति की बड़ी भूमिका रही है। उत्तराखण्ड को अलग राज्य बनाने की मांग हेतु हुए आंदोलन में सबसे बड़ा बलिदान हमारी मातृशक्ति ने ही दिया था। आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं, चाहे घर हो या युद्ध का मैदान, राजनीति हो या सिनेमा, वैज्ञानिक क्षेत्र हो या कृषि, शिक्षा और अनुसंधान का क्षेत्र महिलाओं ने हर जगह अपने आपको साबित किया है। आज प्रदेश के सुदूर गांवों में महिलाएं सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर कुटीर उद्योगों के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान कर रही हैं। महिलाओं के पास कौशल की कभी कोई कमी नहीं रही और अब यही कौशल उनकी और उनके परिवारों की आर्थिकी को बल प्रदान कर रहा है।

भारत में लैपटॉप लेना है तो जियो का ही लेना होगाः शर्मा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि भारत सरकार का यह फैसला कि लैपटॉप व टैबलेट जीयो का ही लेना होगा जोकि अंबानी अडानी को फायदा पहुंचाना मात्र है।

भारत सरकार के एक फैसले को लेकर चौरतफा कड़ी आलोचना हो रही है। ये फैसला लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के आयात पर बैन लगाने से संबंधित है। उत्तराखंड में देहरादून महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जो बात पहले से बोल चुके हैं, वह सही साबित हो रही है। केंद्र की सरकार हम दो हमारे दो की सरकार है। इस सरकार को सिर्फ अंबानी और अडानी के अलावा कोई दूसरा नजर नहीं आता है। उन्होंने कहा कि अब तो लैपटॉप लेना है तो जियो का ही लेना होगा। 31 जुलाई को रिलायंस ने जियो बुक नाम से लैपटॉप लॉन्च किया। तीन अगस्त को मोदी सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट, पर्सनल कंप्यूटर के आयात पर रोक लगा दी। हम दो हमारे दो की सरकार का यही हाल है। उन्होंने कहा कि अंबानी को फायदा पहुंचाने के लिए विदेश से लैपटॉप मंगाकर भारत में नहीं बेचा जा सकेगा। लैपटॉप के बैन का मकसद अंबानी को फायदा पहुंचाना है। क्योंकि अगर विदेश से लैपटॉप नहीं मंगाया जा सकेगा, तो देश में बनाए जाने वाले जियोबुक लैपटॉप की बिक्री में इजाफा होगा। लालचंद शर्मा ने कहा कि जियो नेटवर्क को पहले ही लोग देख चुके हैं। पहले फ्री में डाटा बांटा गया। फिर जब लोग जियो को इस्तेमाल करने लगे तो अब डाटा इतना महंगा हो चुका है कि लोगों के लिए मोबाइल रिचार्ज करना भी मुश्किल होता जा रहा है। जब एक ही कंपनी बाजार में रहेगी तो भले ही शुरू में लैपटॉप सस्ता होगा, लेकिन बाद में मनमानी कीमत वसूली जाएगी। जैसा कि जियो नेटवर्क में देखने को मिल रहा है।

गौकशी करने जा रहे दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में गौकशी करने जा रहे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से दो गौवंशीय पशु भी बरामद किये गये है।

मामला थाना भगवानपुर क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना भगवानपुर पुलिस को सूचना मिली कि खेड़ी शिकोहपुर पीर के पास जाने वाले मार्ग की तरफ से एक चार पहिया वाहन जिनमें गौवशं बधे है, काटने के लिये ग्राम सिकरोड़ा ले जाया जा रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर एक संदिग्ध पिकअप वाहन को रोक कर चैक किया तो दो गौवंशीय पशु जिनको क्रूरतापूर्वक रस्सियों से गाड़ी में कस कर बांधा हुआ था बरामद किये साथ ही उक्त वाहन में पशु काटने के उपकरण बरामद हुए। पुलिस ने मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम बंशी पुत्र नेत्रपाल निवासी हरड़ फतेहपुर शामली व ताबिश पुत्र मेहरबान निवासी महोल्ला शिवपुरी पक्की गढ़ी थाना पक्की गढ़ी जिला शामली उत्तर प्रदेश बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

तं त्वा शोचिष्ठ दीदिव: सुम्नाय नूनमीमहे सखभ्य:
(ऋ० ५.२४.४)

भावार्थ- हे प्रकाशस्वरूप प्रकाश देनेवाले पतितपावन जगदीश! आपसे अपने और अपने मित्रों और बान्धवों के सुख के लिए प्रार्थना करते हैं। हम सब आपके प्यारे पुत्र, आपकी भक्ति में तत्पर होते हुए लोक और परलोक में सदा सुखी रहें। हम पर ऐसी कृपा करो ।

युवक की मौत पर फैक्ट्री मैनेजर सहित पांच पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। युवक की मौत पर फैक्ट्री के मैनेजर सहित पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी रमेश कुमार ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसका पुत्र विकास उम्र 16 साल को लेवर ठेकेदार दानिश पुत्र जहीद हसन व अमजद कबाडी निवासी ग्राम रामपुर शंकरपुर, थाना सहसपुर जिला देहरादून ने विकास के आधार कार्ड में छल कपट कर जन्म तिथि 01 जनवरी 2005 दर्शाकर उम्र 18 वर्ष अंकित कर दी और उस आधार पर डिक्सन फैक्ट्री स्थित लेबर चौक के पास सेलाकुई देहरादून में मजदूरी / मशीनरी के काम में 3 माह पूर्व लगा दिया तथा 17 मई 2023 को रात्रि साढे सात बजे उसके भाई सुनील कुमार को सूचना मिली की डिक्सन कम्पनी के अन्दर उसके नाबालिग पुत्र विकास की संदिग्ध परिस्थितियो में मृत्यु हो गयी तथा कम्पनी के जनरल मेनेजर नित्यानन्द पाण्डेय, विनोद कुमार पाण्डेय, सन्तोष पाण्डेय, ठेकेदार दानिश व अमजद कबाडी द्वारा उक्त मामले को रफा दफा किये जाने का प्रयास कर अनान-फनान में उसकी कोरे कागजो पर हस्ताक्षर लेकर अन्तिम संस्कार करा दिया गया तथा उसको पोस्टमार्टम रिपोर्ट व सुभारती अस्पताल प्रबन्धक द्वारा मृत्यु प्रमाणपत्र भी जारी नही किये गये। उसके भाई सुनील कुमार द्वारा उक्त घटना की रिपोर्ट 29 मई 2023 को क्षेत्राधिकारी प्रेमनगर व प्रतिलिपि उच्चाधिकारी को प्रेषित की गयी. परन्तु आज तक उक्त प्रार्थनापत्र पर कोई कार्यवाही नही की गयी,अपितु उसको व उसके भाई पर दबाव बनाया जा रहा है कि उक्त प्रकरण में किसी प्रकार की कार्यवाही ना करे, उक्त लोगो के कृत्यों से लग रहा है कि डिक्सन कम्पनी के जनरल मेनेजर नित्यानन्द पाण्डेय, विनोद कुमार पाण्डेय, सन्तोष पाण्डेय, ठेकेदार दानिश, व अमजद कबाडी ने विकास को गलत कार्य में साथ में लेने व गलत काम देखे जाने पर आपस में मिलकर उसके पुत्र की हत्या कर मशीनरी के काम में मृत्यु दिखा दी। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सड़कों के किनारे किए गए अनाधिकृत निर्माण हटाने के आदेश

विशेष संवाददाता

देहरादून। गौरीकुंड हादसे के बाद नींद से जागे शासन ने अब सड़कों के किनारे अनाधिकृत रूप से किए गए निर्माणों को हटाने के आदेश सभी जिला अधिकारियों को दिए गए हैं। वही गुप्तकाशी से लेकर गौरीकुंड तक भूस्खलन जोन में बनाए गए सभी भवनों को सर्वे कर हटाए जाने का फैसला भी लिया गया है।

गौरीकुंड हादसे में 20 लोग अभी भी लापता है जबकि तीन के शव अगले ही दिन बरामद कर लिए गए थे। इस हादसे के बाद यह बात सामने आई थी कि यात्रा मार्गों पर लोगों द्वारा कहीं जगह ढूंढ कर दुकान खोलकर या फिर भवनों का निर्माण कर लिया जाता है जो अत्यंत ही खतरनाक साबित होता है। उत्तराखंड के चारधाम यात्रा मार्ग ही नहीं अन्य तमाम पर्यटक स्थलों में लैंड स्लाइड जोन में बिना किसी रोक-टोक के बड़े-बड़े भवन तैयार कर दिए जाते हैं। दरअसल आजीविका की तलाश में किए गए इस तरह के अनाधिकृत निर्माण कई बार बड़ी मुसीबत का कारण बन जाते हैं। गौरीकुंड में जिन दुकानों और खोके के ऊपर लैंडस्लाइड हुआ और इस हादसे में एक नेपाली मूल का पूरा परिवार ही समाप्त हो गया वह निर्माण ऐसा ही अनाधिकृत निर्माण था। घटना के तीसरे दिन जिला प्रशासन द्वारा यहां दुर्घटना स्थल के आसपास की सभी दुकानों को खाली करा लिया गया था। प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई थी। लेकिन अब सरकार ने इसे एक गंभीर मुद्दा मानते हुए पूरे प्रदेश में सड़कों के किनारे अनाधिकृत रूप से किए गए निर्माण को चिन्हित करने और हटाने के आदेश सभी जिलाधिकारियों को दिए गए हैं। उधर गौरीकुंड क्षेत्र से टिहरी बांध तक रेस्क्यू अभियान चलाकर लापता लोगों को तलाशा जा रहा है।

❑गौरीकुंड हादसे के बाद टूटी सरकार की नींद

चेकबुक अप्लाई करने पर ठगे 98 हजार रूपये

देहरादून (सं)। बैंक में चेकबुक अप्लाई करने पर खाते से 98 हजार रूपये निकलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नया गांव चन्द्रबनी निवासी ओम कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने बैंक मे चैक बुक अप्लाई की थी तथा उन्होने बोला की इसका मैसेज में ट्रेकिंग आईडी नम्बर आयेगा उस पर कॉल कर के पता कर लेना जिससे ये पता चल जायेगा की चैक बुक कहाँ तक आ गई है तथा दो दिन के बाद उसने ट्रेकिंग आईडी नम्बर से गुगल के द्वारा नम्बर पर फोन किया और बात की तथा उन्होने बोला की इस पर 2 रुपये डाल दो लिंक पर तब ये कॉल आ जायेगी और इस प्रकार उसने दो रूपये डाल दिये और तब कुछ समय बाद 98000 रुपये बैंक खाते से कट गये।

तीन पेटी शराब के साथ एक गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने तीन पेटी शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसारं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ऋषिकेश के द्वारा नेतृत्व करते हुए आवश्यक दिशा निर्देशों के साथ थाना एवं चौकी क्षेत्र मे पुलिस टीमें गठित कर कोतवाली ऋषिकेश की सीमाओं पर व शहर में मुख्यत: स्थानों को चिन्हित कर चौकिंग अभियान चलाया जा रहा है। गत दिवस श्यामपुर हॉट बाजार के पास एक एक व्यक्ति को मोटरसाइकिल पर कुल तीन पेटी अंग्रेजी शराब भिन्न-भिन्न ब्रांड की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उसने अपना नाम शक्ति पुत्र कुलदीप सिंह निवासी कांवली रोड बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

30 लीटर कच्ची शराब, भट्टी व उपकरणों सहित दो भाई गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कच्ची शराब कारोबार में लिप्त दो सगे भाईयों को पुलिस ने 30 लीटर कच्ची शराब व भट्टी उपकरणों सहित गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मौके से 500 लीटर लाहन भी बरामद किया जिसे नष्ट किया गया है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना लक्सर पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग क्षेत्र में कच्ची शराब कारोबार को अंजाम दे रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान भिक्कमपुर क्षेत्र में बाण गंगा नदी के समीप छापेमारी की। जहां बने पटेरो के मध्य भट्टी लगाकर अवैध कच्ची शराब बनायी जा रही थी। पुलिस ने मौके से दो लोगों को दबोच लिया। जिनके पास से 30 लीटर कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण सहित 500 लीटर लाहन भी बरामद किया। जिस पर लाहन को नष्ट किया गया है। पूछताछ में गिरफ्तार लोगों ने अपना नाम राजेश पुत्र रामचंद्र निवासी शाहपुर शितलाखेडा थाना पथरी व बिट्टू पुत्र रामचंद्र निवासी उपरोक्त बताया। आरोपी सगे भाई बताये गये है जिनके खिलाफ पुलिस ने सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है।

महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए ब्रोकली होती है फायदेमंद

महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए ब्रोकली बहुत फायदेमंद होती है इसलिए महिलाओं के संतुलित आहार में ब्रोकली को शामिल करने की सलाह दी जाती है लेकिन क्या आप जानती हैं कि प्रेगनेंसी में ब्रोकली खानी चाहिए या नहीं?

जानिए कि गर्भावस्था में ब्रोकली खाने के फायदे और नुकसान क्या हैं और इससे प्रेगनेंट महिला एवं गर्भस्थ शिशु पर क्या प्रभाव पड़ता है?

प्रेगनेंसी में ब्रोकली खा सकते हैं या नहीं

गर्भावस्था में ब्रोकली खाना बिल्कुल सुरक्षित रहता है और आपको ब्रोकली के सेवन को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा ब्रोकली कई तरह के विटामिन और खनिज पदार्थ होते हैं जो मां ही नहीं शिशु के लिए भी फायदेमंद होते हैं। ये भ्रूण के विकास में मदद करते हैं और उसे किसी विकार से बचाए रखते हैं।

ब्रोकली खाने का लाभ

प्रेगनेंसी में आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया का खतरा ज्यादा रहता है। गर्भावस्था में आयरन की जरूरत ज्यादा होती है और प्राकृतिक स्रोतों से इसकी पूर्ति करना बेहतर रहता है। ब्रोकली में आयरन और फोलिक एसिड प्रचुरता में पाया जाता है। अपने आहार में ब्रोकली को शामिल कर आप रोजाना की आयरन की पूर्ति कर सकती हैं।

प्रेगनेंसी में कब्ज का इलाज

प्रेगनेंट महिलाओं को कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोनल बदलावों, आयरन के सप्लीमेंट लेने और अन्य शारीरिक बदलाव कब्ज का कारण बन सकते हैं। ब्रोकली में उच्च मात्रा में फाइबर होता है जो प्रेगनेंसी में कब्ज से बचाता है। ब्रोकली से कब्ज से राहत मिलती है और पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है।

जेस्टेशनल डायबिटीज

प्रेगनेंट महिलाओं को नौ महीने के दौरान डायबिटीज का खतरा रहता है। प्रेगनेंसी में डायबिटीज होने को जेस्टेशनल डायबिटीज कहा जाता है। शरीर में होने वाले बदलावों में से एक इंसुलिन का उत्पादन कम होना भी शामिल है।

शुगर को तोड़ने के लिए इंसुलिन जरूरी होता है। इस स्थिति में ब्रोकली आपको डायबिटीज से बचाने में मदद कर सकती है। ब्रोकली शुगर को सामान्य स्तर पर रखती है जिससे जेस्टेशनल डायबिटीज का जोखिम कम होता है।

इम्यूनिटी बढ़ती है

गर्भावस्था के दौरान इम्यून सिस्टम मजबूत हो तो संक्रमणों का खतरा नहीं रहता है। ब्रोकली में बीटा-कैरोटीन होता है जो इम्यूनिटी को मजबूत करता है। इसके अलावा ब्रोकली में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस और जिंक होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। इस सब्जी में मौजूद विटामिन ए, ई, बी और के होता है इसलिए प्रेगनेंसी डायट में ब्रोकली लेने से त्वचा स्वस्थ रहती है।

आंखों की रोशनी तेज होती है

ब्रोकली में फाइटोकेमिकल होते हैं जो कैंसर-रोधी गुण रखते हैं जो कैंसर कोशिकाओं को बनने से रोकने में मदद करते हैं। ब्रोकली न सिर्फ प्रेगनेंसी बल्कि डिलीवरी के बाद भी आपको कैंसर से बचाती है। बीटा-कैरोटीन और विटामिन ए आंखों की रोशनी बढ़ाते हैं। ब्रोकली इन दोनों चीजों से प्रचुर है। रोज ब्रोकली खाने से आंखों से संबंधित परेशानियां कम हो सकती हैं।

कितनी मात्रा में ब्रोकली खानी चाहिए

प्रेगनेंट महिलाओं को दिन में दो से तीन कप ब्रोकली खानी चाहिए। ब्रोकली में सोडियम, पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट, डायट्री फाइबर, शुगर, प्रोटीन, विटामिन ए, विटामिन सी और कैल्शियम जैसे अनेक पोषक तत्व होते हैं।

हंसिए और बीमारियों को दूर भगाइए

जब व्यक्ति तनाव में होता है, तो शरीर कोर्टिसोल हार्मोन रिलीज करता है. कोर्टिसोल के साइड इफेक्ट्स को कम करने के लिए शरीर को एंडोर्फिन रिलीज करने के लिए तैयार करने की जरूरत होती है और खास बात यह है कि हंसकर आसानी से ऐसा किया जा सकता है. इसलिए हंसी सेहत के लिए बहुत जरूरी है.

हंसने से होती है आंतरिक कसरत

ज्यादा तनाव के समय शरीर में कोर्टिसोल का स्तर बढ़ता है. वहीं एंडोर्फिन प्राकृतिक दर्द निवारक है जो दर्द में सक्रिय होता है. इसकी जरूरत इसलिए होती है ताकि दर्द से बाहर निकल सके. इसके लिए सबसे पहला काम जो जरूरी है वो ये है कि खूब हंसें. हंसना एक वर्कआउट है. इससे आंतरिक कसरत होती है. खुलकर हंसने से डायाफ्राम, पेट, श्वसन प्रणाली और कंधों का अभ्यास होता है और हंसने के बाद मांसपेशियां और अधिक रिलैक्स्ड हो जाती हैं.

इम्यून सिस्टम में सुधार की वजह बनती है हंसी

हंसने से शरीर में अधिक मेलेटोनिन का उत्पादन होता है जो दिमाग द्वारा रिलीज हार्मोन है. इससे अच्छी नींद में मदद मिलती है. इससे नींद का पैटर्न भी सुधरता है. यही नहीं डिप्रेशन से जूझ रहे लोगों के लिए तो यह रामबाण है. खुलकर हंसना इम्यून सिस्टम में सुधार की वजह भी बनता है. हंसी की वजह से इम्यून सिस्टम में संक्रमण विरोधी एंटीबॉडी के साथ ही खून में टी-कोशिकाओं की संख्या में भी बढ़ोतरी हो, सकती है. इसलिए किसी भी कीमत पर हंसी के साथ दिन शुरू करना जरूरी है.

हाई बीपी और डायबिटीज को कंट्रोल करती है हंसी

जो लोग नियमित रूप से खूब हंसते हैं उनका हाई बीपी नियंत्रण में रहता है. हंसने से रक्त वाहिकाओं का कार्य सुधरता है और रक्त प्रवाह बढ़ता है. इससे दिल का दौरा या दिल से जुड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है. रोजाना खुलकर हंसने से डायबिटीज कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है. शोधों में खुलासा हुआ है कि डायबिटीज के मरीजों से जुड़ी जटिलताओं को कम करने में हंसी का यह व्यायाम मदद करता है.

जवान दिखना चाहते हैं तो खुलकर हंसें

जवान दिखने की चाह रखने वालों के लिए भी यह बड़े काम का व्यायाम है. मुस्कुराने और हंसने से चेहरे की 15 मांसपेशियां एक साथ काम करती हैं. चेहरे की ओर रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है जिससे व्यक्ति युवा दिखता है. शारीरिक और मानसिक ही नहीं यह भावानात्मक स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देता है. हंसी की जरूरत इस बात से ही समझ आ जाती है कि जब एक बच्चा मुस्कुराता है तो उसका मन और शरीर कितना उत्साहित लगता है. यह वयस्कों और बुजुर्गों पर भी सटीक बैठता है. हंसने पर हवा फेफड़ों से बाहर निकल जाती है और इसके साथ गहरी आंतरिक सांस ले सकते हैं. शरीर की मांसपेशियों और अंगों के आसपास ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ जाता है, इससे अधिक ऊर्जा मिलती है. हंसी के साथ साथ शारीरिक व्यायाम किया जाए तो व्यक्ति स्वस्थ और फिट रहता है. हंसी एक ऐसी दवा है जो कि आसानी से उपलब्ध है और जब चाहे, जैसे चाहे इसका लाभ उठा सकते हैं.

रोजाना टोफू का सेवन स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद!

टोफू को सोया पनीर भी कहा जाता है और इसे बनाने के लिए सोयाबीन दूध का इस्तेमाल किया जाता है।यह पनीर की तरह दिखता है, लेकिन इसका स्वाद अलग होता है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर वीगन डाइट को फॉलो करने वाले लोग करते हैं।यह पौष्टिक तत्वों से भरपूर होता है, इसलिए इसका सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है।आइये आज हेल्थ टिप्स में टोफू के सेवन से होने वाले 5 लाभ जानते हैं।

मधुमेह से बचाव के लिए है सहायक

मधुमेह की समस्या से बचने के लिए टोफू लाभकारी हो सकता है।एक अध्ययन के मुताबिक, मधुमेह से पीड़ित जिन रोगियों ने 6 हफ्ते तक टोफू खाया है, उनमें ब्लड शुगर और इंसुलिन का स्तर उन लोगों की तुलना में काफी कम हुआ है, जो इसका सेवन नहीं करते हैं।इसके अलावा एक अन्य अध्ययन में बताया गया है कि जो लोग नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, उन्हें टाइप-2 मधुमेह होने की आशंका कम होती है।

हृदय रोगों के खतरे को कम करने में है मददगार

टोफू का सेवन हृदय रोग के खतरे को भी कम कर सकता है।एक अध्ययन के मुताबिक, जिन पुरुष और महिलाओं ने हफ्ते में एक बार टोफू का सेवन किया है, उनमें हृदय रोग का खतरा उन लोगों से कम पाया गया है, जिन्होंने सिर्फ महीने में एक बार इसका सेवन किया है।इसमें मौजूद आइसोफ्लेवोंस हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद करता है, इसलिए इसका सेवन रोजाना करें।

कैंसर के जोखिम से बचाए

टोफू का नियमित सेवन कैंसर से बचाव करने में भी सहायक हो सकता है।इसमें आइसोफ्लेवोंस और सोया प्रोटीन मौजूद होते हैं, जो ब्रेस्ट कैंसर, ओवेरियन कैंसर, पेट के कैंसर आदि के जोखिम को कम कर सकते हैं।हालांकि, यह सिर्फ कैंसर के जोखिम से बचा सकता है, लेकिन अगर किसी को कैंसर है तो उसे डॉक्टर से इलाज करवाना जरूरी है।कैंसर रोगियों को अपनी डाइट में ये फल भी शामिल करना चाहिए।

वजन घटाने के लिए है कारगर

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो टोफू आपके लिए पोषण और वजन कम करने का एक बढ़िया स्रोत हो सकता है।दरअसल, इसमें फाइबर होता है, जो लंबे समय तक आपका पेट भरा रखता है और अनहेल्दी स्नैकिंग या अधिक खाने से रोकता है।इसके अलावा यह कम कैलोरी, उच्च प्रोटीन और कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है, जो आपको सही आकार में रहने में मदद करता है।बिना एक्सरसाइज के वजन घटाने के लिए इन तरीकों को अपनाएं।

हड्डियों के लिए है फायदेमंद

मजबूत हड्डियों के लिए कैल्शियम एक जरूरी पोषक तत्व है।हमारा शरीर करीब 99 प्रतिशत तक कैल्शियम को स्टोर करके रखता है ताकि हड्डियों और दांतों को मजबूती मिल सके।इसके लिए आप अपनी डाइट में कैल्शियम से भरपूर टोफू को शामिल कर सकते हैं।जो लोग दूध या मांसाहारी आहार का सेवन नहीं करते हैं, उन्हें इस पोषक तत्व की आपूर्ति के लिए टोफू को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दिन भर आती है उबासी तो ये थकान नहीं, इन बीमारियों का है संकेत!

उबासी लेना थके हुए शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया है। जब हम थक जाते हैं या फिर किसी चीज से ऊब होने लगती है तो हम उबासी लेने लगते हैं। आमतौर पर लोग जब थक जाते हैं तो उनके हार्मोन्स शरीर को अलर्ट करने के लिए उबासी को ट्रिगर करते हैं। ये एक सामान्य मेडिकल प्रोसेस है लेकिन अगर आपको बार बार उबासी आ रही है तो इसे नॉर्मल कहना गलत हो सकता है। दरअसल बार बार उबासी लेना या फिर दिन भर उबासी आना कई हेल्थ प्रॉबलम्स की तरह संकेत देता है। चलिए आज जानते हैं कि अगर आपको बार बार उबासी आ रही है तो ये किस तरह से शरीर के लिए खतरनाक हो सकता है।

पांच मिनट में तीन से ज्यादा उबासी है असामान्य

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर कोई दिन में तीन चार बार उबासी लेता है तो वो सामान्य हो सकता है लेकिन अगर आपको पांच मिनट में तीन से ज्यादा बार उबासी आ रही है तो ये असामान्य प्रोसेस है। इसके पीछे का पहला संकेत ये है कि आपके शरीर को भरपूर नींद की जरूरत है जो पूरी नहीं हो रही है। ये स्लीप एपनिया का संकेत हो सकता है।कई बार कामकाज के प्रेशर, इन्सोम्निया, खर्राटे या थकान के चलते

लोग पूरी और बेहतर नींद नहीं ले पाते और उनको स्लीपिंग डिसऑर्डर हो जाता है। ऐसे में बार बार उबासी आती है।

ज्यादा दवाई खाने से भी आ सकती है उबासी

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप लंबे समय से कुछ दवाइयों का सेवन कर रहे हैं तो इसकी वजह से भी आपको लगातार उबासी आ सकती हैं। दरअसल ऐसी दवाओं में एंटीसाइकोटिक्स या एंटीडिप्रेसेंट के गुण होते हैं जिनकी वजह उबासी ज्यादा आती है। कई बार ब्रेन के डिसऑर्डर के चलते भी बार बार उबासी आती हैं। दिमाग संबंधी बीमारियों जैसे पर्किंसंस, माइग्रेन, मल्टीपल स्केलेरोसिस के चलते भी व्यक्ति को बार बार उबासी आती है। अगर किसी को एंजाइटी या स्ट्रेस की दिक्कत है तो भी बार बार उबासी आती है।

ऑक्सीजन की कमी के चलते भी आती है उबासी

बार बार उबासी आना आपके दिल के खतरे में होने का संकेत हो सकता है। दरअसल जब शरीर को ऑक्सीजन की कमी होती है तो बार बार उबासी आती है। ऑक्सीजन की कमी के चलते दिल के दौरे का सबसे ज्यादा खतरा होता है। हालांकि ज्यादा उबासी आना दिल के दौरे का डायरेक्ट संकेत नहीं है लेकिन ये शरीर को ऑक्सीजन की कम सप्लाई का संकेत दे सकती है। (आरएनएस)

वीरे दी वेडिंग के सीक्वल पर लगी मुहर, जल्द शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

साल 2018 में आई फिल्म वीरे दी वेडिंग को दर्शकों द्वारा काफी सराहा गया था। इसमें करीना कपूर, सोनम कपूर, स्वरा भास्कर और शिखा तलसानिया जैसे अभिनेत्रियां नजर आई थीं।फिल्म ने टिकट खिडक़ी पर 81.39 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।अब वीरे दी वेडिंग के सीक्वल से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आ रही है।पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता वीरे दी वेडिंग का दूसरा भाग लाने की तैयारी कर रहे हैं।

वीरे दी वेडिंग की दूसरी किश्त पर काम शुरू हो चुका है। फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अगले साल तक निर्माता वीरे दी वेडिंग 2 की शूटिंग शुरू कर देंगे। आने वाले दिनों में जल्द इस खबर की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।फिलहाल वीरे दी वेडिंग 2 की कास्ट तय नहीं हुई है। हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि दूसरे हिस्से में भी पहले भाग वाली स्टारकास्ट ही नजर आ सकती है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि फिल्म वीरे दी वेडिंग 2 का आइडिया और कॉन्सेप्ट लॉक कर दिए गए हैं। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि फिल्म वीरे दी वेडिंग 2 मेकर्स के लिए काफी खास प्रोजेक्ट है। फिल्म की तैयारी शुरू हो गई है और स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। फाइनल ड्राफ्ट कुछ महीनो में बनकर तैयार हो जाएगा। फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी होने के बाद स्टारकास्ट और अन्य चीजों को लेकर प्लानिंग की जाएगी। बताते चलें कि फिल्म वीरे दी वेडिंग एक महिला केन्द्रित फिल्म है।

फिल्म वीरे दी वेडिंग की कहानी की बात करें तो फिल्म दिल्ली की चार बचपन की दोस्त कालिंदी, अवनी, मीरा और साक्षी के ऊपर आधारित है। इस फिल्म एकता कपूर और रिया कपूर ने प्रोड्यूस किया है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -003

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

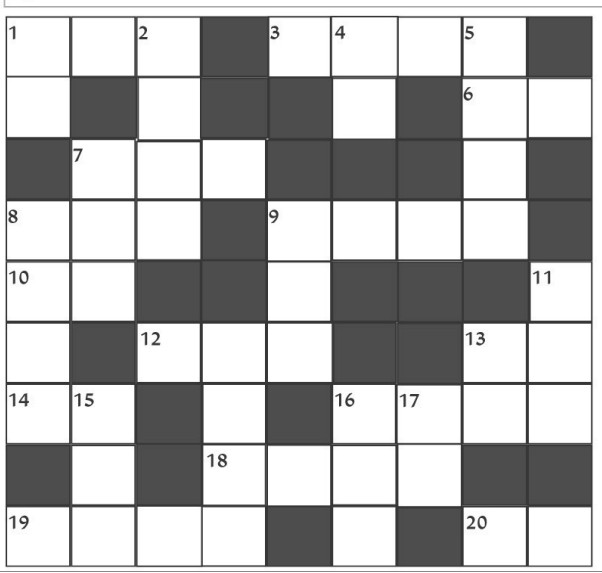

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 02 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

जूनियर एनटीआर की देवरा का नया टीजर जारी, रोमांचित हुए प्रशंसक

जूनियर एनटीआर के प्रशंसकों के बीच उनकी आने वाली फिल्म देवरा को लेकर अच्छी-खासी दीवानगी देखने को मिल रही है।यह फिल्म लंबे समय तक एनटीआर 30 नाम से जानी जा रही थी। मई में निर्माताओं ने फिल्म के नाम देवरा की घोषणा की थी।अब फिल्म का नया टीजर जारी किया गया है, जिसने प्रशंसकों का उत्साह खूब बढ़ा दिया है। वीएफएक्स से भरपूर इस टीजर में एनटीआर का हिंसक अवतार नजर आ रहा है।

निर्माताओं ने फिल्म का एक टीजर जारी कर प्रशंसकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। देवरा के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर टीजर के साथ लिखा गया, बड़े पर्दे पर डर का सामना करने में 250 दिन बाकी हैं।। नए टीजर टीजर का बैकग्राउंड स्कोर उनकी उत्सुकता को और बढ़ा रहा है। इस टीजर पर शाहरुख खान की जवान के आधिकारिक हैंडल से भी फिल्म को शुभकामनाएं दी गई हैं।

जूनियर एनटीआर की देवरा के जरिए जाह्नवी कपूर अपना तेलुगू डेब्यू करने वाली हैं और उन्होंने भी फिल्म के कुछ हिस्से की शूटिंग भी कर ली है। सैफ अली खान भी इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जो तेलुगु समेत तमिल, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी।यही वजह है कि दक्षिण से उत्तर तक, दर्शकों के बीच इस फिल्म की चर्चा है।

मार्च में जाह्नवी के जन्मदिन के मौके पर फिल्म से उनका लुक साझा किया गया था। इसके बाद मई में जूनियर एनटीआर के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर फिल्म के नाम की घोषणा की गई थी। फिल्म के पोस्टर में एनटीआर पानी के बीच में एक चट्टान पर खड़े नजर आ रहे थे। काले कपड़ों में उनका लुक और भी प्रचंड दिख रहा था। साथ में उनके हाथ में भाला भी मौजूद था।

इन दिनों पैन इंडिया फिल्म का बोलबाला है। इनमें से सबसे चर्चित फिल्म प्रभास की कल्की 2898 एडी है।यह फिल्म अब तक प्रोजेक्ट के के नाम से जानी जा रही थी। यह फिल्म अगले साल जनवरी में रिलीज होगी।प्रभास की ही सालार का भी दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। यह सितंबर में रिलीज होने वाली है।शाहरुख खान की जवान की देशभर में चर्चा है। एटली की इस फिल्म से नयनतारा बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं।

मनोज बाजपेयी की साइलेंस के सीक्वल का ऐलान

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म साइलेंस के दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे दर्शकों का इंतजार आखिरकार अब खत्म होगा। एक्टर एक बार फिर एसीपी अविनाश की भूमिका में कदम रखने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने साइलेंस 2 का ऐलान कर दिया है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

पहले पार्ट में, एसीपी अविनाश के किरदार में मनोज बाजपेयी एक हाई-प्रोफाइल महिला की रहस्यमय हत्या की जांच करते हैं। इस दौरान उनके सामने धोखे, झूठ और छिपी सच्चाइयों का पता चलता है। जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ती है, सस्पेंस भी बढ़ता जाता है।

फिल्म में मनोज बाजपेयी, प्राची देसाई और अर्जुन माथुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें साहिल वैद, वकवेर, बरखा सिंह, शिरीष शर्मा, सोहिला कपूर, अमित ठक्कर और गरिमा याग्निक जैसे कलाकारग भी नजर आए।

साइलेंस के दूसरे पार्ट को लेकर एक्टर मनोज वाजपेयी ने कहा, मैं दर्शकों के लिए साइलेंस का दूसरा पार्ट लाने के लिए रोमांचित और उत्साहित हूं। इस भूमिका के लिए मुझे जो प्यार और सराहना मिली, वह वास्तव में जबरदस्त है और यह मुझे इस नए प्रोजेक्ट में भी अपना बेस्ट परफॉर्मेंस देने के लिए प्रेरित करती है। एक्टर ने कहा कि वह हमेशा खुद को चुनौती देना और अलग-अलग किरदारों को निभाना पसंद करते हैं।

उन्होंने कहा, एसीपी अविनाश की यात्रा यादगार यात्रा रही है। मैं जी5, जी स्टूडियोज और निर्देशक अबान देवहंस के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को जारी रखने के लिए बेहद आभारी हूं। मैं वास्तव में उम्मीद करता हूं कि दर्शक इस रोमांचक नई फिल्म का आनंद लेंगे, क्योंकि यह रहस्य की दुनिया में ले जाती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, एक्टर की हाल ही में सिर्फ एक बंदा काफी है है, रिलीज हुई, जिसमें उन्होंने वकील पीसी सोलंकी की भूमिका निभाई है। उनकी झोली में डिस्पैच प्रोजेक्ट है।

जैकलीन फर्नांडिस ने स्टाइलिश चोटी में ढाया कहर

बॉलीवुड़ एंडस्ट्री की खूबसूरत हसीनाओं में से एक जैकलीन फर्नांडिस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। जैकलीन फर्नांडिस ने हाल में सोशल मीडिया साइट फेसबुक और इंस्टाग्राम पर शेयर की अपनी लेटेस्ट फोटोज से बवाल मचा दिया है। उनके इस फोटोशूट को देख फैंस ने उनकी तारीफों की झड़ी लगा दी है। 37 वर्षीय बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है और अपनी फोटोज से आए दिन बिजलियां गिराती रहती हैं। जैकलीन फर्नांडिस की हर एक अदा का हर कोई दीवाना हैं और सोशल मीडिया पर उनके फैंस की लिस्ट भी काफी लंबी हैं। जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी खूबसूरती से सभी को कायल किया हुआ है और एक बार फिर एक्ट्रेस ने अपना जलवा दिखाया हैं। हाल ही में जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया साइट फेसबुक और इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज से जैकलीन फर्नांडिस ने लोग का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है और फैंस भी एक्ट्रेस की तस्वीरें देखकर उनकी तरफ अट्रैक्ट हो रहे हैं। इन तस्वीरों में जैकलीन फर्नांडिस रेड कलर की कार्गो पैंट्स और ग्रे कलर की ब्रालेट में बेहद किलर अंदाज में बिजलियां गिराती नजर आ रही हैं। जैकलीन के इस ट्रेंडी लुक में उनकी हर एक अदा कमाल की है, जिन पर फैंस अपना दिल हार बैठे हैं। इन फोटोज में जैकलीन फर्नांडिस अपनी स्टाइलिश दो चोटियों के साथ पतली कमर और कर्वी फिगर को जमकर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। स्मोकी न्यूड़ मेकअप के साथ जैकलीन फर्नांडिस ने अपने लुक को किलर एटीट्यूड के साथ कंप्लीट किया है। जैकलीन फर्नांडिस का ये किलर अंदाज उनके फैंस को बेहद कूल लगा रहा है।

डेजी शाह हो सकती हैं 'नागिन 7' में अगली शिव नागिन

एकता कपूर का सुपरनैचुरल टीवी शो 'नागिन' का हर सीजन काफी हिट रहा है। हाल ही में तेजस्वी प्रकाश स्टारर 'नागिन 6' खत्म हुआ था। वहीं अब 'नागिन 7' की तैयारी भी शुरू हो चुकी है। हाल ही में मेकर्स ने 'नागिन 7' का प्रोमो भी जारी किया था जिसमें अगली शिव नागिन की झलक मिली थी। इसके बाद से चर्चा है कि 'नागिन 7' में गुम है शो की आयशा सिंह या बिग बॉस 16 फेम प्रियंका चाहर चौधरी लीड रोल प्ले कर सकती हैं। हालांकि दोनों ही एक्ट्रेस ने हाल ही में बयान जारी कर 'नागिन 7' करने की खबरों को खारिज कर दिया है। वहीं अब रुमर्स हैं कि सलमान खान की एक एक्ट्रेस 'नागिन 7' में लीड रोल में नजर आएंगी।

'नागिन 7' को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। वहीं फैंस ये भी जानने के लिए बेकरार हैं कि इस बार 'नागिन 7' की लीड एक्ट्रेस कौन होगी। ऐसे में कई नामों को लेकर चर्चा हो रही है। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 'नागिन 7' के लिए मेकर्स ने सलमान खान की एक एक्ट्रेस को अप्रोच किया है। रिपोर्ट के मुताबिक शो से जुड़े एक सूत्र से जानकारी मिली है कि 'नागिन 7' के लिए सलमान खान के साथ जय हो में नजर आईं एक्ट्रेस डेजी शाह से कॉन्टेक्ट किया गया है। जल्द ही मेकर्स और डेजी शाह के बीच डील फाइनल होने की उम्मीद है। फिलहाल शो के लिए कास्टिंग चल रही है। हालांकि इस खबर पर कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं आई है।

बता दें कि डेजी शाह बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं। अपने करियर की शुरुआत में डेजी शाह गणेश आचार्य की असिस्टेंट कोरिग्राफर थीं। उन्होंने कई तमिल फिल्मों में भी काम किया है। डेजी शाह ने साल 2013 में आई फिल्म ब्लडी इश्क से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाई। इसके बाद डेजी शाह को सलमान खान के साथ जय हो फिल्म में काम करने का मौका मिला और इसी के साथ उन्हें बी टाउन में पहचान भी मिल गई। डेजी शाह ने हाल ही में खतरों के खिलाड़ी 13 की शूटिंग भी पूरी की है। जल्द ही ये शो ऑनएयर होने वाला है।

क्लाइमैक्स ने बचाई वन फ्राइडे नाइट की लाज

रवीना टंडन ने कई बेहतरीन फिल्में की हैं। वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी अपना जलवा बिखेर चुकी हैं। अब एक बार फिर रवीना ने ओटीटी पर दस्तक दी है। इस बार वह वन फ्राइडे नाइट नाम की एक फिल्म लेकर आई हैं, जिसने पिछले माह यानी 28 जुलाई को जियो सिनेमा पर दस्तक दी । बिना किसी शोर-शराबे के आई इस फिल्म में रवीना को अभिनेता मिलिंद सोमन का साथ मिला है।

फिल्म एक बिजनेसमैन राम (मिलिंद) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादीशुदा है और अपनी से आधी उम्र की लड़की से इश्क लड़ा रहा है।फिल्म में डॉक्टर बनीं रवीना (लता) ने राम की पत्नी की भूमिका निभाई है, जिसे अपने पति (मिलिंद) के दूसरी महिला के साथ संबंधों की भनक तब लगती है, जब वह बरसात की एक रात हादसे का शिकार हो जाता है।अब सच सामने आने पर क्या होता है, यह फिल्म देखने के बाद पता चलेगा।

फिल्म में रवीना की दमदार अदाकारी कहानी से बांधे रखती है। हालांकि, वह अभिनय के विभाग में इकलौती विजेता नहीं हैं।यहां मिलिंद भी उनके कदम से कदम मिलाते नजर आए हैं, लेकिन फिल्म कुछेक कलाकारों के प्रदर्शन के दम पर नहीं चलती।कहानी में अगर दम न हो और कलाकारों का अभिनय उन्नीस-बीस हो तो भी काम चल जाता है।फिल्म में मिलिंद की गर्लफ्रेंड बनीं विधि चितारिया ने ऐसा कुछ खास नहीं किया, जो याद रह जाए।

निर्देशक मनीष गुप्ता ने न जाने क्या सोचकर पुरानी कहानी दर्शकों के लिए परोसी।हालांकि, इंतजार क्लाइमैक्स का होता है और अगर यह भी आनन-फानन में निपट जाता तो यह औसत से भी कमतर फिल्म बनकर रह जाती।बस आखिरी के 15-20 मिनट इस पटरी से उतरती फिल्म की जान हैं या यह कहें कि फिल्म के अंत ने इसे बचाया है। आखिरी ट्विस्ट के अलावा पूरी फिल्म में कहीं भी निर्देशक अपनी छाप छोड़ते नहीं दिखते।

कहानी न तो सतही तरीके से लिखी गई और ना ही पर्दे पर ढंग से गढ़ी गई।लता-राम के बीच मतभेद क्या हैं? और तो और उनके संबंधों तक की बात नहीं की गई है।लगभग डेढ़ घंटे की यह फिल्म शुरू के 30-40 मिनट इतनी उबाऊ लगती है कि घड़ी-घड़ी सीट से उठने का दिल करता है। रफ्तार इतनी धीमी है कि माथा चकरा जाता है, वहीं बैकग्राउंड में हो रही लगातार बारिश की आवाज भी कहीं-कहीं चुभती है।

फिल्म का गीत-संगीत ऐसा नहीं है, जिस पर गौर किया जाए। बैकग्राउंड म्यूजिक भी औसत है। फिल्म के कुछ दृश्य दिखने में बेहद खूबसूरत हैं। शहर से दूर अलग-थलग बना विला भी आंखों को सुकून देता है। सिनेमैटोग्राफर की मेहनत फिल्म में झलकती है।

38 साल से तानाशाह को झेलता कंबोडिया!

श्रुति व्यास

एक वक्त था जब किस्से-कहानियों में कंबोडिया का जिक्र होता था। इस देश का बहुत गौरवशाली अतीत रहा है। महान खमेर साम्राज्य की शानो-शौकत,राजाओं के दिव्य और विशाल अंकोरवाट मंदिर के चर्चे थे।कोई 692 साल चले खमेर साम्राज्य की धन-संपदा अकूत थी। लेकिन वक्त सोने की लंका को भी मिट्टी में मिला देता है। सो खमेर साम्राज्य भी समय के साथ धूल में मिला।

उर्फ कंपूचिया सदियों बाद एक राष्ट्र के रूप में फिर उभरा तो एक खलनायक, लम्पट देश बना। सन् 1975 से 1979 के बीच वह 'कंपूचिया जनतंत्र' कहलाता था। उसकी बागडोर कम्बोडियाई कम्युनिस्टों के एक समूह के हाथों में थी। उसने वहां एक खूनी क्रांति की। अपने ही लोगों का नरसंहार किया। देश के 7० लाख लोगों में से कम से कम 17 लाख मारे गए। उस खूनी क्रांति का क्रूर नेता पोल पोट था

भयावह काल के बाद कम्बोडिया ने अपना पुनर्निर्माण करने और भव्य अतीत को दुबारा जीने का प्रयास किया। इस बार लोगों को उम्मीद थी कि उनका देश असली लोकतंत्र बनेगा। लेकिन आज चार दशक बाद भी, कंबोडिया, जो लगभग 1.6० करोड़ आबादी वाला विकासशील राष्ट्र है, अपने खूनी अतीत को भुला नहीं सका है। उसका आज भयावह है और कल अंधकारमय। खमेर रूज के पतन के 44 साल बाद भी स्थितियां लगभग

वैसी ही हैं।

हुन सेन 38 साल से वहां के प्रधानमंत्री हैं। वे पहले खमेर रूज से जुड़े हुए थे और 1985 से सत्ता पर काबिज हैं। वे कम्युनिस्ट कम्बोडियन पीपुल्स पार्टी के नेता हैं और 'चुनाव' के बाद, जिसके लिए कंबोडियाईयों ने 23 जुलाई को वोट डाले, वे न केवल दुनिया में सबसे अधिक समय तक पद पर रहने वाले प्रधानमंत्री बन जाएंगें बल्कि खमेर साम्राज्य के बाद सर्वाधिक समय तक कंबोडिया पर शासन करने वाले व्यक्ति भी। वे एक विवादास्पद नेता हैं। पश्चिमी देश उनके शासन के आलोचक रहे हैं और जनता उनसे डरती है। जिन्हें पता न हो उनकी जानकारी के लिए रविवार को कंबोडिया में हुआ मतदान वहां का सातंवा आमचुनाव था। लेकिन मतदाताओं के सामने केवल एक विकल्प है - हुन सेन की पार्टी। कई हफ़्तों तक चले चुनाव अभियान और विरोधियों के खिलाफ कार्यवाहियां के दौर के बाद हुन सेन की सत्ताधारी कंबोडियन पीपुल्स पार्टी (सीपीपी) ही अकेली चुनावी मैदान में है। विपक्षी सांसदों के अनुसार उन पर कई हिंसक हमले हुए, ह्यूमन राईट्स वाच की रपट के अनुसार जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते गए, सरकार द्वारा राजनैतिक विरोधियों को डराने-धमकाने और मनमानी गिरफ्तारियां करने की घटनाएं बढती गईं। मई में सरकार ने एक तकनीकी मुद्दे को आधार बनाकर देश के सबसे प्रमुख विपक्षी दल, केंडिललाईट पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने कहा कि पार्टी द्वारा दिए गए दस्तावेजों में ऐसी कमियां थीं जो पिछले साल हुए स्थानीय चुनाव लड़ने में बाधक नहीं थीं। स्थानीय चुनावों में केंडिललाईट पार्टी को 22 प्रतिशत वोट मिले थे। और विश्लेषकों का कहना है कि हुन सेन को इस पार्टी में स्वयं के लिए खतरा नजर आया।

विपक्ष को कुचलने के अलावा, हुन सेन असहमति और आलोचना को भी कुचलते रहे हैं जिससे मजबूर होकर कई लोग देश छोड़कर भाग गए है। मीडिया के खिलाफ भी कार्यवाहियां हुई हैं। वहां के सबसे बड़े मीडिया संस्थान वाईस आफ डेमोक्रेसी पर हुन सेन ने उन पर और उनके पुत्र पर हमले करने और उनकी 'प्रतिष्ठा व गरिमा' को नुकसान पहुँचाने के आरोप लगाए था। इसके बाद इस वर्ष के शुरू में इस संस्थान पर ताला लगने के बाद वहां अब स्वतंत्र मीडिया जैसी किसी चीज का अस्तित्व नहीं बचा है। पिछले माह वहां के टेलिकॉम रेगुलेटर ने इंटरनेट सेवा देने वाली कंपनियों और तीन दूसरे समाचार माध्यमों की वेबसाईटों को ब्लाक करने का आदेश दिया। और हां, अब हुन सेन को प्रधानमंत्री कहकर संबोधित नहीं किया जाता है। सन् 2०16 में समाचारपत्रों, रेडियो और टेलीविजन संस्थाओं को निर्देश दिया गया कि हुन सेन की छःह शब्दों की मानद पदवी का जिक्र उनसे संबंधित सभी खबरों की शुरूआती पंक्तियों में करें अन्यथा उन्हें कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा। इस पदवी का अनुवाद लगभग यह होगा - ''दैवीय प्रधानमंत्री एवं सेना के सर्वोच्च सेनापति हुन सेन को यह पदवी कंबोडिया के सम्राट नोरोडोम सिम्होनी द्वारा सन् 2००7 में दी गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हुन सेन को न केवल अपने निरंकुश शासन के कारण आलोचना का सामना करना पड़ता है बल्कि चीन से संबंध प्रगाढ़ करने के कारण भी उन्हें बुरा-भला कहा जाता है। उनके जरिए कंबोडिया में चीन का सैन्य, आर्थिक और राजनीतिक दबदबा बहुत बढ़ गया है, जिसके चलते कंबोडिया लगभग चीन का पिछलग्गू बन गया है।

इन तमाम कमियों और दबावों के बावजूद हुन सेन चाहेंगे कि उनके राज को दशकों तक हुए आर्थिक विकास और शांति स्थापित करने के लिए याद किया जाए। उनके द्वारा उनकी शान को समर्पित नवीनतम प्रयास है विन विन मान्यूमेंट, जो दशकों के टकराव को समाप्त करने के उद्धेश्य से खमेर रूस के सदस्यों को क्षमादान देने के लिए 199० के दशक में लागू की गई उनकी नीति का नाम था। एक रहस्यपूर्ण राजनीतिज्ञ होने के नाते उन्होंने अपनी छवि ऐसी बनाई है कि कंबोडिया को खमेर रूस से बचाने का श्रेय उन्हें और सिर्फ उन्हें है। विन-विन स्मारक पर बने चित्रों में दिखाई गई हैं भरपूर फसलें, व्यस्त बंदरगाह और बढ़ती हुई जीडीपी। सन् 1998 से 2०19 तक कंबोडिया की अर्थव्यवस्था की औसत वृद्धि दर 8 प्रतिशत रही, जो उसे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाती है। कोविड-19 महामारी समाप्त होने के बाद अब पर्यटक दुबारा देश में आ रहे हैं और विश्व बैंक का अनुमान है कि इस वर्ष अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 5।5 प्रतिशत रहेगी। कंबोडिया के इस प्रभावशाली आर्थिक विकास से लाखों लोग गरीबी से उबरे हैं।

इस आर्थिक विकास के बावजूद देश में अपनी मर्जी से जीने और सांस लेने की आजादी नहीं है। इस चुनाव के बाद हुन सेन प्रधानमंत्री की गद्दी अपने सबसे बड़े पुत्र हुन मेनेट को दे देंगे।23 जुलाई को हुए चुनाव में हुन सेन ने भारी जीत और सत्ता हासिल की और अगले कई वर्षों तक उनके और उनके पुत्रों के सत्ता पर काबिज रहने का मार्ग प्रशस्त किया। जहां तक कंबोडिया का सवाल है, चुनाव के इस प्रहसन और देश के लोकतांत्रिक होने के जो ढोल पीटे जा रहे थे, उनसे वहां लोकतंत्र कायम होने की जो थोड़ी-बहुत आशा थी, वह भी ख़त्म हो गयी है।

बिहार में क्या कांग्रेस टूटेगी?

कर्नाटक में 2०19 में और मध्य प्रदेश में 2०2० में कांग्रेस टूटी थी। दोनों जगह कांग्रेस से टूटे विधायकों की मदद से भाजपा ने सरकार बनाई। उधर 2०21 में मेघालय में तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस को तोड़ा था। लेकिन उसके बाद किसी भी राज्य में कांग्रेस को तोड़ने का अभियान सफल नहीं हुआ। चाहे वह अभियान भाजपा ने किया हो या किसी और पार्टी ने। राजस्थान में 2०2० में ही लग रहा था कि पार्टी टूट जाएगी लेकिन अशोक गहलोत ने पार्टी और सरकार दोनों बचा ली। झारखंड में कई सालों से चल रहा प्रयास असफल रहा है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के टूटने की की अटकलें कई महीनों से चल रही हैं। इसी तरह अब चर्चा है कि बिहार में कांग्रेस पार्टी टूट सकती है। यह चर्चा खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक बयान से शुरू हुई।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन महागठबंधन के विधायकों की बैठक में कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा को निशाना बना कर उनसे पूछा कि क्या वे भाजपा में जाने की सोच रहे हैं। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री को इस बारे में पक्की सूचना है कि कांग्रेस के कुछ विधायक भाजपा के संपर्क में हैं। इनकी संख्या को लेकर कंफ्यूजन है। यह संख्या 11 से 13 बताई जा रही है। कांग्रेस के एक जानकार नेता का कहना है कि अभी दो-तिहाई संख्या नहीं पूरी हो रही है। यानी 13 विधायक पूरे नहीं हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के साथ साथ जदयू और राजद दोनों के नेता भी कांग्रेस को टूटने से बचाने में लगे हैं। टूटने की चर्चाओं की वजह से ही कांग्रेस विधायक दल के नेता को हय भी नहीं है, जबकि अखिलेश प्रसाद सिंह के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद से ही अजीत शर्मा को हटाने की चर्चा चल रही है।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र.003

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.02का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

संसद में टकराव भी एक राजनीति है

पिछले कई सत्रों से यह देखने को मिल रहा है कि किसी न किसी मसले पर संसद में गतिरोध पैदा होता है और उसके बाद लगातार टकराव चलता रहता है। ऐसा भी लगता है कि दोनों तरफ से गतिरोध दूर करने के प्रयास हो रहे हैं लेकिन गतिरोध दूर नही होता है। पिछले कई सत्रों से यह भी देखने को मिला है कि लगभग सत्र निर्धारित समय से पहले समाप्त हुए हैं। भले एक दिन पहले ही समाप्त हुआ लेकिन सत्र पहले समाप्त हुआ है। संसद सत्र का एक फीचर यह भी हो गया है कि विपक्षी पार्टियां संसद के परिसर में प्रदर्शन करती हैं और सरकार बिना बहस के बिल पास करा लेती है। सवाल है कि ऐसा सहज रूप से हो रहा है या इसके पीछे कोई राजनीति है? ध्यान रहे संसद को बाधित करना भी संसदीय राजनीति का एक तरीका है, यह बात विपक्ष में रहते भाजपा के नेता अरुण जेटली ने कही थी।

हालांकि यह अभी पता नहीं है कि अभी जिस राजनीति के तहत टकराव हो रहा है और हर बार गतिरोध बन रहा है वह विपक्ष की राजनीति का हिस्सा है या सरकार की राजनीति का? पिछले दो तीन सत्र देखें तो इस ट्रेंड का एक अंदाजा लगता है। मानसून सत्र शुरू होने से एक दिन पहले मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाने और उनके साथ यौन हिंसा का वीडियो वायरल हुआ। यह बेहद दुखद और अमानवीय घटना थी, जो चार मई को घटित हुई थी और उसी दिन वीडियो बना था। यह अनायास नहीं था कि वीडियो 19 जुलाई को वायरल हुआ। संभव है कि ज्यादा व्यापक राजनीतिक असर की वजह से वह वीडियो संसद सत्र से पहले जारी किया गया हो। उसका असर साफ दिख रहा है। संसद सत्र की कार्यवाही चार दिन ठप्प रही और अंत परिणति अविश्वास प्रस्ताव में हुई है।

इस साल बजट सत्र से ठीक पहले अडानी समूह को लेकर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आई। 31 जनवरी से बजट सत्र शुरू होने वाला था और 24 जनवरी को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई, जिसमें अडानी समूह की हजारों करोड़ रुपए की कथित वित्तीय गड़बड़ियों की जानकारी दी गई। संसद सत्र शुरू होने के बाद विपक्ष ने राष्ट्रपति के अभिभाषण का इंतजार किया और उसके बाद हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर हंगामा शुरू हो गया। अभिषाषण पर चर्चा में राहुल गांधी ने पूरी तरह से अडानी समूह के ऊपर भाषण दिया। इसके बाद सत्र का समापन राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त करने और उस पर विवाद के साथ हुआ।

उससे पहले पिछले साल के शीतकालीन सत्र के दौरान अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनी सैनिकों की घुसपैठ और भारतीय सेना के जवानों के साथ उनकी झड़प का वीडियो आया। पिछले साल शीतकालीन सत्र गुजरात चुनाव की वजह से थोड़ी देरी से सात दिसंबर को शुरू हुआ था और उसके बाद नौ दिसंबर को भारत-चीन के सैनिकों की हुई झड़प का एक वीडियो सामने आया।

इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में बयान भी दिया पर गतिरोध शुरू हो गया और इस वजह से 29 दिसंबर तक चलने वाला सत्र 23 दिसंबर को समाप्त हो गया। इसके पीछे जाएंगे तो हर सत्र से पहले इस तरह का कोई मुद्दा आने और गतिरोध चलने का इतिहास मिलेगा। इससे विपक्ष की राजनीति तो चमकती है पर सरकार को यह फायदा होता है कि उसे कोई भी बिल पास कराने में दिक्कत नहीं होती है। (आरएनएस)

बढ़ती महंगाई के खिलाफ महिला कांग्रेस ने निकाली सरकार की शव यात्रा

संवाददाता

देहरादून। बढती महंगाई के खिलाफ महिला कांग्रेस ने प्रदेश सरकार की शव यात्रा निकाल विरोध प्रदर्शन किया। आज यहां दिन प्रति दिन बढती महंगाई के खिलाफ उत्तराखण्ड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन के साथ प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रौतेला के नेतृत्व में महंगाई के खिलाफ भाजपा सरकार की शव यात्रा निकालकर अपना विरोध दर्ज किया गया। इस अवसर पर बडी संख्या में महिला कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रदेश महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन से भाजपा शर्म करो, भाजपा सरकार मुर्दाबाद की नारेबाजी के साथ भाजपा सरकार की शव यात्रा निकालते हुए गांधी पार्क होते हुए घंटाघर एवं वापस ऐस्लेहॉल चौक पर पहुंचकर भाजपा सरकार के पुतले को आग के हवाले किया। प्रदेश महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, महंगाई से देश के नागरिकों की कमर टूटती जा रही है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतें लगातार घट रही हैं मगर मोदी सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम नहीं कर रही हैं। कार्यक्रम में आशा मनोरमा शर्मा, नजमा खान, चन्द्रकला नेगी, मीना शर्मा, पायल बहल, शिवानी थपलियाल, बीना जोशी, अल्का पाल, गीता पंवार, महानगर अध्यक्ष उर्मिला थापा, महामंत्री पुष्पा पंवार आदि शामिल थे।

युवक पर हमला कर लूटने के मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (सं)। युवक पर चाकू से हमला कर उसके रूपये लूटने के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नूर एन्क्लेव निवासी समीर अहमद ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका छोटा भाई अमन निवासी गाँधी ग्राम के साथ करीब साढे दस बजे किसी व्यक्ति ने चाकू से हमला किया और इस हमले मे उसके छोटे भाई अमन को कई जगह शरीर पर चाकू से हमला किया और उसके जेब से सारे पैसे निकाल लिए। उसके भाई की स्थिति गम्भीर है। जो कि दून अस्पताल मे भर्ती है।

भारतीय महिला ब्लाइंड फुटबॉल टीम ने किया विश्व कप के लिए क्वालिफाई

देहरादून (सं)। भारतीय महिला ब्लाइंड फुटबॉल टीम ने 14 से 21 अगस्त को बर्मिघ में होने वाले विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इसकी जानकारी देते हुए सुनील जे मैथ्यू (मुख्य कोच) ने बताया कि भारतीय महिला ब्लाइंड फुटबॉल टीम ने आईबीएसए विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है, जो 14 से 21 अगस्त 2023 तक बर्मिघम, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित की जाएगी। यह पहली बार होगा, भारत एक फुटबॉल टीम के साथ-साथ एक पैरा महिला टीम भी मैदान में उतारेगा। विश्व कप, जो महिलाओं और दिव्यांगों दोनों के सशक्तिकरण का प्रतीक है। भारतीय ब्लाइंड फुटबॉल महासंघ ने दस साल के प्रयास के बाद यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच सुनील जे मैथ्यू ने गामा फुटबॉल ग्राउंड, कोच्चि, केरल में आयोजित विदाई समारोह में भारतीय टीम की घोषणा की। वेणु राजामोनी आईएफएस (विशेष कर्तव्य अधिकारी, बाहरी सहयोग, केरल सरकार) ने समारोह की अध्यक्षता की और लेखिका और बुकर पुरस्कार विजेता सुश्री अरुंधति रॉय ने समारोह का उद्घाटन किया। मलयालम फिल्म स्टार सिजॉय वर्गीस ने भारतीय महिला फुटबॉलर अक्षरा राणा के साथ भारतीय टीम की जर्सी लॉन्च की। भारतीय टीम 12 अगस्त को केरल के कोच्चि से यूनाइटेड किंगडम के लिए उड़ान भरेगी।

आसमानी आफत का कहर जारी, तीन.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कारण जल भराव की स्थिति पैदा हो गई। टपकेश्वर मंदिर के गर्भ ग्रह में पानी घुस गया और माता मंदिर की दीवार ढह गई। मालदेवता क्षेत्र में भी बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए तथा सहस्त्रधारा आईटी पार्क क्षेत्र में सड़क धंस गई। रिस्पना के बहाव में एक दुकान बह गई और कई क्षेत्रों में घरों में पानी घुस गया। राज्य में भारी बारिश के अलर्ट के कारण आज स्कूलों की छुट्टी रही।

सावधानः आर्टिफिसेल इन्टेलिजेन्सी में.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

फोन पर अपने पिता से बात की है। जिसके बाद उनके बेटे ने उनको फोन कर साफ किया कि उसका कोई एक्सीडेट नहीं हुआ है उनके साथ किसी ने ठगी की है। जिसके बाद देर सांय रूद्रमणि वासन साईबर थाने पहुंचे और उन्होंने वहां पर प्रार्थना पत्र दिया। आज साईबर थाना पुलिस ने उनका मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बता दें कि साइबर ठगों द्वारा यह ठगी का नया ट्रेंड निकाला गया है। इसमें कोई व्यक्ति आपके पारिवारिक सदस्य की आवाज में साथ ही उसके ही फोन नम्बर से आपसे बात करेगा। जिससे आप भी उसकी बातों पर विश्वास करेगें और ठगी का शिकार बन जायेगें।

पर्वतीय क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएः संधु

संवाददाता

देहरादून। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में विशेषकर दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, इसके लिए हम सबको इस योजना को सफल बनाने को दिशा में काम करना है।

आज यहां मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने सचिवालय में जल जीवन मिशन के तहत हो रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि यह भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण योजना है जिसे निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण किया जाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में विशेषकर दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, इसके लिए हम सबको इस योजना को सफल बनाने को दिशा में काम करना है। मुख्य सचिव ने कहा कि यदि कहीं योजना पूर्ण होने के बावजूद 55 एमएलडी पानी नहीं मिल पा रहा है तो नए प्रस्ताव भेजे जाएं। जिन जनपदों ने इस दिशा में अच्छा कार्य किया है उन्हें बधाई देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि अन्य जनपदों को भी इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने यूपीसीएल को योजना के लिए विद्युत कनेक्शनों को शीघ्र उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने वन भूमि हस्तांतरण मामलों को भी लगातार निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने जल स्रोतों को बनाए रखने हेतु भी कार्य किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जल स्रोतों को रिचार्ज करने हेतु चेक डैम और रिचार्ज पिट सहित वनीकरण आदि कार्य लगातार संचालित किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि योजना के दीर्घकालीन संचालन के लिए जल स्रोतों को बनाए रखना अतिआवश्यक है।

मुख्य सचिव ने योजनाओं के संचालन और रखरखाव पर भी विशेष बल दिए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि स्थानीय लोगों को प्लंबर और फिटर आदि का प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कार्यों को निर्धारित समय में पूर्ण किए जाने हेतु मैन पावर बढ़ाए जाने के साथ ही जिलाधिकारियों को लगातार समीक्षा किए जाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सचिव अरविंद सिंह ह्यांकी सहित सम्बन्धित उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

दून राइड टैक्सी यूनियन ने आरटीओ कार्यालय का किया घेराव

संवाददाता

देहरादून। दून राइड टैक्सी यूनियन ने रेपिडो व ओला के खिलाफ आरटीओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

आज यहां दून राइड टैक्सी यूनियन के पदाधिकारी एवं टैक्सी ड्राइवर ने दून राइड टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष रविंद्र सिंह आनंद के नेतृत्व में आज आरटीओ कार्यालय का घेराव किया। रविंद्र सिंह आनंद ने बताया की रैपीडो, ओला, उबर कंपनी के द्वारा एग्रीगेटर ऐप के द्वारा प्राइवेट वाहनों जिसमें स्कूटर, मोटरसाइकिल, बाइक आदि को ऑनलाइन रजिस्टर कर सवारी गाड़ी के रूप में चलाने का विरोध करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि आज टैक्सी ड्राइवरों ने आरटीओ कार्यालय के बाहर आरटीओ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की इसके बाद जब आरटीओ के द्वारा किसी अधिकारी को वार्ता करने हेतु भेजा गया तो रविंद्र आनंद ने उसे यह कहकर लौटा दिया कि आरटीओ को बाहर आकर हमारी समस्याओं को सुनना पड़ेगा इस पर आरटीओ बाहर आए और उनकी यूनियन के अध्यक्ष रविंद्र आनंद से तीखी बहस हुई जिस पर रविंद्र आनंद इस बात पर अड गए कि सभी साथी एक साथ वार्ता करेंगे और वहीं धरने पर बैठ गए। कार्यालय के अंदर जोरदार नारेबाजी करते रहे उसके बाद आरटीओ ने सभी को अपने कक्ष में बुलाकर उनकी बात को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित कंपनियों रैपीडो, ओला, उबर के खिलाफ कार्खाई करने का आश्वासन भी दिया साथ ही यूनियन के द्वारा पकड़ी गई कुछ रैपीडो की गाड़ियों को सीज की कार्रवाई की गई ।

अपराधियों को प्राप्त है सत्ता का संरक्षणः माहरा

विशेष संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने आज राजीव गांधी भवन में पत्रकारों से वार्ता के दौरान प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सूबे की सरकार प्रदेश में बढ़ते महिला अपराधों और आपदा प्रबंधन तथा भ्रष्टाचार के मामलों को रोकने में सिर्फ नाकाम ही नहीं रही है बल्कि अपराधियों को संरक्षण देने का काम भी कर रही है।

❑राज्य में महिला अपराधों पर सरकार क्यों चुप है?

माहरा ने कहा कि भर्ती घोटाले के आरोपी जमानत पर छूट कर बाहर आ गए और भाजपा नेता कह रहे हैं कि उनके खिलाफ सबूत नहीं थे। माहरा ने कहा कि जब सबूत नहीं थे फिर उन्हें गिरफ्तार क्यों किया गया था? उन्होंने कहा कि सरकार के संरक्षण में जब सब कुछ चल रहा है तो फिर सबूत कहां से आएंगे। उन्होंने एस राजू के इस्तीफे का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी पत्रकार वार्ता में कहा था कि सफेदपोश उन्हें जांच नहीं करने दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ठीक वैसा ही मामला अंकिता भंडारी मर्डर केस का भी है। जब पहले ही सारे सबूत मिटा दिए गए तो फिर अपराधियों को सजा कैसे मिल सकती है। अंकिता भंडारी के कमरे पर बुलडोजर चलवाने और उसके बिस्तर को पानी में बहाने की बात करते हुए कहा कि हम यही लड़ाई तो लड़ रहे हैं कि सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। सत्ता में बैठे लोग उन्हें भरोसा दिला रहे हैं कि तुम जल्दी छूट कर बाहर आ जाओगे क्योंकि तुम्हारे खिलाफ सबूत ही नहीं मिलेंगे। यही कारण है कि अपराधी भी निश्चितं है। उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी से लेकर ममता तक और 4 दलित लड़कियों के बलात्कार से लेकर हाथी बड़कला में महिला की हत्या और रेप से लेकर एक महिला कावड़ यात्री से 22 दिन तक बलात्कार की घटनाओं पर सत्ता में बैठे लोग चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अंकिता के मामले में अगर आरोपियों को अपने छूटने का भरोसा नहीं होता तो वह अब तक कब के वीआईपी का नाम बता चुके होते। सरकार ने उन्हें भरोसा दिया हुआ है कि उनका कुछ नहीं होगा। इसलिए वह कोर्ट में अच्छे-अच्छे कपड़े पहनकर और सूटकेस लेकर घूम रहे हैं।

माहरा ने सरकार के आपदा प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए चमोली के करंट हादसे और गौरीकुंड हादसे पर सरकार को सवालों के घेरे में खड़ा किया उनका कहना है कि राज्य में आपदा से हाहाकार मचा हुआ है और सत्ता में बैठे लोग दूसरे दलों के नेताओं को हेलीकॉप्टर से चार धाम यात्रा करा रहे हैं उन्होंने कहा कि अपनी सरकार के धर्मस्व मंत्री महाराज तो न इस साल न बीते साल एक बार भी यात्रा पर नहीं गए।

एक नजर

नेता विरोधी दल को भी अब जनसंख्या की चिंता होने लगी है: सीएम योगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री और नेता विरोधी दल अखिलेश यादव को प्रदेश में बेरोजगारी और शिक्षा पर पूछे गए सवाल पर आईना दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छा है कि नेता विरोधी दल को भी अब जनसंख्या की चिंता होने लगी है, इसी को नियंत्रित करने के लिए हम लोग समान कानून की बात कर रहे हैं, चलिए समाजवादियों में कुछ तो प्रोग्रेस हुई है, प्रगति के बारे में सोचना अच्छी बात है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अभी एक सदस्य ने बेसिक शिक्षा के विषय में एक प्रदेश, एक कोर्स और एक मूल्य को लेकर सवाल पूछा था, इसमें एक देश और एक कानून को भी जोड़ देते तो अच्छा होता। सीएम योगी ने बेरोजगारी दर को लेकर कहा कि बेरोजगारी दर जो 2017 से पहले 19 फीसदी थी, वो आज 3 से 4 के बीच रह गई है, प्रदेश में रोजगार के जो अवसर सृजित हुए हैं, उसी की वजह से बेरोजगारी दर में कमी आई है। सीएम योगी ने प्रदेश में रोजगार के अवसर के बारे में कहा कि ये कहना की बीते 6 वर्ष में भर्ती नहीं हुई है, इसमें आपकी पीड़ा को मैं समझ सकता हूं, पिछले 6 वर्ष में नकल विहीन परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हुई है, नकल माफिया पर लगाम कसी गई है।

आप सांसद राघव चड्ढा पर लगा फर्जी सिग्नेचर कराने का आरोप!

नई दिल्ली। दिल्ली सेवा विधेयक 07 अगस्त को मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में पारित हो गया है। लेकिन इस दौरान आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा विवादों में घिर गए। राघव चड्ढा पर पांच राज्यसभा सांसदों ने फर्जी हस्ताक्षर कराने का आरोप लगाकर विशेषाधिकार हनन की शिकायत की है। असल में आप सांसद राघव चड्ढा ने दिल्ली सेवा विधेयक को सिलेक्ट कमिटी के पास भेजने का प्रस्ताव लेकर आए थे। इस प्रस्ताव पर पांच सांसदों के नाम शामिल किए गए थे, उन सांसदों को दावा है कि उन्होंने ये हस्ताक्षर किए ही नहीं हैं, ना ही उन्हें इस बारे में कोई जानकारी थी। इस मामले को लेकर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने शिकायतों की जांच के आदेश दिए हैं। जिन पांच सांसदों ने फर्जी हस्ताक्षरों के आरोप लगाए हैं, उनमें उनमें बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी, नरहरि अमीन, पी कोन्याक, बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा और एआईडीएमके सांसद थम्बी दुरई का नाम शामिल है। इन सांसदों ने शिकायत की थी कि दिल्ली सेवा विधेयक पर प्रस्तावित चयन समिति में उनकी सहमति के बिना उनका नाम शामिल किया गया था।

ड्रोन के चाइनीज पार्ट्स के इस्तेमाल पर सरकार ने लगाई रोक!

नई दिल्ली। भारत ने सुरक्षा के लिहाज से सैन्य ड्रोन बनाने वाली कंपनियों को चीन पार्ट्स के इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। रॉयटर्स के मुताबिक, भारत सरकार ने यह फैसला दोनों देशों के बीच हुए तनाव के बीच आया है। भारत सरकार सैन्य आधुनिकीकरण कर रही है, जिसमें मानव रहित क्वाडकॉप्टर समेत कई प्रकार के ड्रोन के अधिक उपयोग की परिकल्पना की गई है। दरअसल सेना के अधिकारियों और नेताओं की ओर से चिंता व्यक्त की गई थी कि ड्रोन के चाइनीज पार्ट्स के इस्तेमाल से सुरक्षा को खतरा हो सकता है। सुरक्षा अधिकारी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि चीन कैमरा, रेडियो ट्रांसमिशन और ऑपरेटिंग सिस्टम के जरिए खुफिया जानकारी जुटा सकता है। इसको देखते हुए यह फैसला लिया गया है। भारत अपनी सेना के लिए हथियार और अन्य तरह की जरूरतों को पूरा करना चाहता है। दस्तावेजों से पता चलता है कि रॉयटर्स की पहले की गई रिपोर्ट पर साल 2020 से चरणबद्ध तरीके से आयात प्रतिबंध शुरू किए जा रहे हैं। ड्रोन टेंडरों पर चर्चा के लिए फरवरी और मार्च में दो बैठकों में भारतीय सैन्य अधिकारियों ने कंपनियों से कहा कि भारत के साथ बॉर्डर शेयर करने वाले देशों के उपकरण सुरक्षा कारणों से स्वीकार नहीं किए जाएंगे। एक टेंडर डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि ऐसे सबसिस्टम में सुरक्षा खामियां थीं, जो महत्वपूर्ण सैन्य डेटा से समझौता करती थीं और वेंडर्स से इन पार्ट्स के बारे में खुलासा करने के लिए कहा गया था। सीनियर डिफेंस अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि साइबर अटैक के बारे में चिंता के बावजूद भारतीय उद्योग चीन पर निर्भर हो गया।

युवक की हत्या का खुलासा, महिला सहित दो गिरफ्तार एक फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। युवक की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों का एक साथी फरार है जिसकी तलाश जारी है। हत्या के इस मामले में जिन चार लोगों पर शक जताया गया था वह निर्दोष पाये गये जबकि हत्या की यह घटना किन्ही और लोगों द्वारा ही अंजाम दी गयी थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा बताया गया कि झलकारी बस्ती हरिद्वार निवासी पूनम द्वारा बीती 5 अगस्त को कोतवाली नगर हरिद्वार में तहरीर देकर बताया गया था कि उनके बेटे आकाश उर्फ मोगली की हत्या कर रेलवे लाइन पर फैंक दी गयी है। जिसमें उन्होने बेटे के चार दोस्तों को नामजद किया गया था। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी थी। जांच के दौरान सामने आया कि नामजद चार लोगों की इस मामले में कोई भूमिका नहीं है। जबकि पुलिस को दो संदिग्धों के बारे में जानकारी मिली। पड़ताल को आगे बढाते हुए पुलिस ने जब एक संदिग्ध मुकेश चंदारिया को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने हत्या की बात कबूल करते हुए बताया कि बीती 30 जुलाई की रात वह अपने एक साथी के साथ शराब पीकर अवैध शराब बेचने वाली एक महिला की झोपड़ी में लेटा हुआ था। तभी वहां मृतक आकाश उर्फ मोगली पहुंचा तथा उसने उनके रूपये चोरी करने का प्रयास किया। जिस पर उन्होने मृतक की पिटाई कर दी। बताया कि मृतक जान छुटाकर कुछ दूरी तक भागा भी था लेकिन मृतक द्वारा पहले भी ऐसे ही चोरी करने के कारण गुस्से में आकर दोनों ने उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर पकड़कर जान से मार दिया। हत्या के बाद आरोपियों ने उक्त महिला की मदद से उसका शव रेलवे लाईन के पास फेंक दिया था जिससे लोगो को लगे कि मृतक नशे में ट्रेन से टकराकर मर गया है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी महिला भगवती को भी दबोच लिया गया। जबकि मामले में फरार आरोपी बाबा की तलाश जारी है।

आंतक का प्रयाय आदमखोर गुलदार पिंजरे में कैद

हमारे संवाददाता

बिजनौर। उत्तराखंड की सीमा से सटे बिजनौर जिले में पिछले कुछ समय से आतंक का प्रयाय बना नरभक्षी गुलदार आखिरकार पिजरे में कैद हो गया है। बताया जा रहा है कि इसने 13 लोगों को अपना निवाला बनाया था। जिसके पिजरे में कैद होने पर लोगों ने राहत की सांस ली है।

बता दें कि तमाम प्रयासों के बावजूद भी वन विभाग के लिए यह नरभक्षी गुलदार एक चुनौती बना हुआ था। बिजनौर वन महकमे की टीम द्वारा कई स्थानों पर इसको कैद करने के लिए पिंजरे भी लगाए गए थे, मगर यह शातिर गुलदार पिंजरे में कैद न होकर एक के बाद एक लोगों को अपना निवाला बना रहा था। कल देर रात रेहड़ क्षेत्र के सादिकपुर में लगाए गए एक पिंजरे में यह नरभक्षी कैद हो ही गया । इसके पिंजरे में कैद होने की सूचना, जैसे ही लोगों को मिली, लोगों का हुजूम इसे देखने के लिए मौके पर जुट गया। वन महकमे की टीम ने इसको मौके से रेस्क्यू कर लिया है। अब डॉक्टरों द्वारा इसके परीक्षण के बाद यह आदमखोर क्यों बना इन कारणों का पता लग सकेगा।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चर्च रोड निवासी संदीप गुप्ता ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पड़ोसियों ने परेशान किया तो लगाया अजीबोगरीब बोर्ड

हमारे संवाददाता

देहरादून। पड़ोसियों द्वारा परेशान किये जाने पर एक व्यक्ति ने अपने मकान पर अजीबोगरीब बोर्ड लगा दिया गया। जिससे अब पडोसी परेशान हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए उक्त बोर्ड को हटवा दिया है।

किसी को सबक सिखाने के लिए इंसान आवेश में आकर क्या कुछ नही कर सकता इसकी बानगी थाना क्लेमनटाउन क्षेत्र के आशिमा विहार में सामने आयी है। यहां एक व्यक्ति द्वारा अपने निर्माणाधीन मकान को बेचने के लिए एक अजीबोगरीब बोर्ड लगा दिया गया। जिसमें लिखा था कि 'मकान बिकाऊ है' केवल मुस्लिम समुदाय के लोग ही संपर्क करें'। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंच कर भवन स्वामी को वोट हटाने के लिए कहा गया। पूछताछ करने पर भवन स्वामी ने पुलिस को बताया कि आसपास के निवासियों से तंग आकर उसने यह कदम उठाया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में सामुदायिक सौहार्द को बिगड़ने नहीं दिया जाएगा।

बताया जा रहा है कि भवन स्वामी सहारनपुर का रहने वाला है और उसने आशिमा विहार में प्लॉट खरीद कर उसमें भवन निर्माण का कार्य शुरू करवाया। इस दौरान उसका पड़ोसियों के साथ विवाद हो गया और क्षेत्र वासियों ने उक्त भवन निर्माण का विरोध किया। इस पर तैश में आये भवन स्वामी ने अपने निर्माणाधीन मकान पर मुस्लिम समाज को बेचने का ही बोर्ड टांग दिया गया था। वहीं इस मामले में थानाध्यक्ष क्लेमनटाउन शिशुपाल राणा से जब बातचीत की गयी तो उन्होने बताया कि उक्त व्यक्ति द्वारा वह बोर्ड गुस्से में लगाया गया था जिसे अब हटा लिया गया है।

मोटरसाईकिल की टक्कर से महिला की मौत

देहरादून (सं)। मोटरसाईकिल की टक्कर लगने से महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बद्रीपुर निवासी चेतराम ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मां चिंतो देवी बाजार से घर की तरफ आ रही थी जब वह घर के पास पहुंची तभी एक मोटरसाईकिल सवार ने उनको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। जिसको अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।